

PRASHANTI COLLEGE OF PROFESSIONAL STUDIES, UJJAIN

VIKRAM UNIVERSITY UJJAIN (M.P.)



SESSION -2019-20

B.ED IV SEMESTER

SUBJECT :- EPC- 7 = UNDERSTANDING OF ICT

SUBMITTED TO :-

DR. VARSHA TIWARI MADAM

SUBMITTED BY:-

SANGEETA PEDWA



## CERTIFICATE



This is to certify that SANGHETA PEDWA  
 Studying in B.Ed. IV Semester in year 2019-20 of  
 this Institute has successfully this Project on  
 the topic: F.P.C. 7 - Understanding of ICT or  
 report of Action Research.

"Recorded result of it  
 in this his file under guidance of."

Internal Examiner's  
 Signature

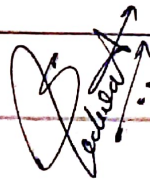
Internal Examiner's  
 Signature.



## ACKNOWLEDGEMENT

I would like to Express my Special Thanks and gratitude to my Teacher Council and this golden opportunity to do this wonderful Project which has helped me in doing a lot of research and learning a lot of new things in the process.

I would like to thank my Parents and my Friends for helping me to complete this Project of their cooperation.



## अनुकूलिका

1. कंप्यूटर क्या है ? कंप्यूटर के प्रकार एवं पीढ़ियों की व्याख्या करें ? ( वर्ष, काल एवं तकनीकी )
2. विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम में आप निम्नलिखित कार्यों को कैसे करेंगे ? समझाइये ?

cut, copy and paste

create a folder and shortcut

Send a folder into floppy disk

3. विंडोज XP ऑपरेटिंग सिस्टम में नेटवर्किंग की सुविधा कैसे प्रदान की जाती है ?
4. डम. डस. वर्ड में निम्न को समझाइये ।

Editing of a document.

Paragraph Formatting.

Character Formatting.

5. डम. डस. वर्ड में मेलमार्ग की स्टेपल को Envelopes तथा mailing label को निर्भन करने के लिए उदाहरण सहित समझाइये ?

6. विभिन्न आंतरिक Dos Command को समझाइये ?

7. डम. डस. प्रसेल में आंतरिक व बाह्य सूचकांकन के आधार 10वीं कक्षा के पांच विद्यार्थियों की मार्कशीट तैयार कीजिये ।

॥ ५ ॥

8) मूत्र मूल पाँच पाँच में एक शैलिक प्रोबेरात नैमार  
कीजिय निम्न के आधार पर ग्राफिक्स, आवाज एवं  
चलचित्र. डिजाइन तथा मुनीमरात

9) विभिन्न लेन टोपोलाजी का वर्णन कीजिय।

10) सामझारमे-

1) बृटिंग प्रोसस

2) असम्बलर

3) कम्पाइलर

4) इन्टरप्रिटर

5) माइम

अतः "कम्प्यूटर" का तात्पर्य एक ऐसे यन्त्र से है, जिसका उपयोग गणना, प्रकिया, यान्त्रिकी, अनुसन्धान, शोध आदि कार्यों में किया जाता है। कम्प्यूटर, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का संयोजन है, जो डेटा को सूचना में बदलता है।

कम्प्यूटर की प्रारंभी से तात्पर्य कम्प्यूटर की आंतरिक संरचना से है। कम्प्यूटर के आंतरिक भागों के कार्यों तथा उनके आवश्यक स्रोत को प्राप्त करने के लिए कम्प्यूटर की संरचना का अध्ययन आवश्यक है।

कम्प्यूटर एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है, जो डेटा और निर्देशों को इनपुट की तरह लेता है तथा उन्हें आवश्यकतानुसार स्टोर करके निर्देशों के अनुसार डेटा पर प्रोसेस करता है और आउटपुट के रूप में परिणाम देता है।

कम्प्यूटर का वह भाग जो निर्देशों और डेटा को लेता है, उसे इनपुट डिवाइस या इनपुट यूनिट कहते हैं। कम्प्यूटर का वह भाग जो सूचना को निर्देशों तथा डेटा के रूप में संग्रह करता है, वह मेमोरी यूनिट कहलाता है।

कम्प्यूटर के द्वारा संग्रह डेटा की प्रोसेसिंग सेक्यूल प्रोसेसिंग यूनिट के द्वारा की जाती है। संक्षेप में इसे सी. पी. यू. कहते हैं। और इसे कम्प्यूटर के द्वारा का हार्ट और नर्व सेन्टर भी कहा जाता है।

आधुनिक कम्प्यूटर में सी. पी. यू. में संश्लेषित मेमोरी होती है। अतः में जो यूनिट यूजर को रिजल्ट (परिणाम) देती है, उसे आउटपुट डिवाइस या आउटपुट यूनिट कहते हैं।

इनपुट तथा आउटपुट डिवाइस को I/O डिवाइस कहते हैं। इसे पेरिफेरल यूनिट भी कहते हैं, जो मूल्य व कम्प्यूटर के मध्य संचार प्रदान करती है।

कम्प्यूटर एक प्रोग्रामेबल इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है, जो गणितीय या लॉजिकल ऑपरेशन्स को तीव्र गति से सम्पन्न करता है या फिर सूचनाओं को अंकित, संग्रह, संवर्ण या प्रोसेसिंग करता है। कम्प्यूटर एक बहुआयामी उपकरण है, जो कोई भी कार्य कर सकता है, परन्तु सामान्य रूप से सभी कम्प्यूटर निम्नलिखित पाँच ऑपरेशन्स करते हैं:-

स्मृति

1) स्टोरेज

2) प्रोसेसिंग

3) आउटपुटिंग

4) कंट्रोलिंग

नोट: कम्प्यूटर एक ऐसी इलेक्ट्रॉनिक युक्ति या मशीन है जो डाटा एवं सूचनाओं को संग्रहीत करता है, उन्हें प्रदर्शित करता है, विभिन्न निदेशों के अनुरूप उन्हें संश्लेषित करता है एवं प्राप्त अधिपूर्ण परिणाम वांछित रूप में प्रदर्शित करता है।

### कम्प्यूटर के प्रकार

कम्प्यूटर को उनके

आकार, गति, उपयोगिता, संयम क्षमता, जुड़ने वाले अवयव और कीमत आदि के आधार पर माइक्रो कम्प्यूटर, मिनी कम्प्यूटर, मेन फ्रेम कम्प्यूटर एवं सुपर कम्प्यूटर में वर्गीकृत किया जाता रहा है। ये सभी विशिष्टताओं परादा या आरोह रूप से तकनीकी प्रगति मुख्य चिप तकनीक पर आधारित हैं।

1) सुपर कम्प्यूटर

2) मेनफ्रेम कम्प्यूटर

3) मिनी कम्प्यूटर

4) पर्सनल कम्प्यूटर



5) सेपरांग कम्प्यूटर

6) भारको कम्प्यूटर

गणनीकी के आधार पर

कम्प्यूटर

के

प्रकार

7) पुनःसंलग्न कम्प्यूटर

8) डिजिटल कम्प्यूटर

9) एनलॉग कम्प्यूटर

10) सुपर कम्प्यूटर

सुपर कम्प्यूटर बहुत

शाब्दिकराली उच्च कार्यक्षमता एवं अधिक प्रोडरता क्षमता वाले कम्प्यूटर होते हैं। इनका उपयोग बहुत वैज्ञानिक गणनाओं में किया जाता है। ये प्रलेटिंग पर प्रोडरता भी काफी तीव्र गति से करते हैं।

इनका उपयोग वैज्ञानिक एवं इंजीनियरिंग गणनाओं में बहुत अधिक संख्या में एवं तीव्रता से गणितीय गणनाओं की आवश्यकता होती है में किया जाता है। इनके कुछ उपयोग देना है मौसम की प्रविष्टिवाणी, कम्प्यूटरानल प्रत्यक्ष डायनामिक्स, पैरोलिमप इंजीनियरिंग, अंतरिक्ष विज्ञान, बायो मेडिकल उपयोग, नाविकीय परीक्षण इत्यादि।

कुछ प्रमुख सुपर कम्प्यूटर हैं -

CRAY

Gray - XMP,

Gray - 2

IBM - 3090.

NEC - Sx - 3

Hitachi (S Series)

2) मिनफ्रम कांप्यूटर -

मिनफ्रम कांप्यूटर 32 बिट या अधिक वाले माइक्रो  
 प्रोसेसर से अधिक शक्तिशाली एवं मॉडरन क्षमता  
 वाले कांप्यूटर हैं। ये अधिक उपयोगकर्ताओं के एक साथ कार्य  
 करने के लिए बहुत अधिक संख्या में टर्मिनल लगाने में सक्षम हैं। इनका  
 प्रयोग बड़े-बड़े संस्थानों में जैसे कि बैंक, सरकारी कार्यालयों में  
 और अन्य उपयोग होता आ रहा है। इनका प्रयोग डिस्ट्रिब्यूटेड डेटा  
 प्रोसेसिंग सिस्टम में केन्द्रित होकर कांप्यूटर के रूप में भी होता है। कुछ  
 प्रमुख मिनफ्रम कांप्यूटर हैं,

MEDHA.

IBM

HP

ICC

Sperry आदि

3) मिनी कांप्यूटर -

मिनी कांप्यूटर एक माध्यम (मध्यम) आकार का माइक्रो  
 प्रोसेसर से अधिक शक्तिशाली एवं अधिक कीमत का 8 बटुअरीय  
 कांप्यूटर 80 के दशक के शुरुआत तक माना जाता था। इस तरह के कांप्यूटरों  
 में एक से अधिक उपयोगकर्ता भी कार्य कर सकते हैं एवं इनमें कई  
 धारणी श्रवणव जोड़े जा सकते हैं। एक 16 बिट मशीन होती थी। यह  
 उस समय के सर्वाधिक प्रचलित डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम हुआ करते  
 थे। इसका आकार मध्यम 32 बिट सुपर मिनी कांप्यूटर या जो संयुक्त  
 क्षमता एवं गति में मिनी कांप्यूटर से अधिक शक्तिशाली था।

### 4) पर्सनल कंप्यूटर -

पर्सनल कंप्यूटर गहको कंप्यूटर होते हैं। IBM कंपनी द्वारा बनाये गये PC, IBM, PC कहलाते हैं। एवं अन्य उत्पादक IBM COMPATIBLE PC कहलाते हैं। इसके अनिश्चित APPLE Macintosh कंपनी के द्वारा भी PC बनाये जाते हैं जो Motorola PC कहलाते हैं जो 68030 माइक्रो प्रोसेसर पर आधारित होते हैं। PC'S में MS DOS या WINDOWS ऑपरेटिंग सिस्टम प्रयुक्त किया जाता है।

### 5) लैपटॉप कंप्यूटर -

लैपटॉप कंप्यूटर पर्सनल कंप्यूटर होते हैं जो साधारणतः एक ब्रीफकेस के आकार के एवं काफी हल्के होते हैं। एवं लैपटॉप कंप्यूटर भी कहा जाता है। इसमें साधारण कंप्यूटर की तरह फ्लॉपी एवं हार्ड डिस्क होती है। तथा देखने के लिए कलर समतल स्क्रीन का प्रयोग किया जाता है, ये काफी कम ऊर्जा में चलते हैं। एवं बैटरी के द्वारा चलाया जाता है। इसका उपयोग उच्च शक्ति वाले कार्य, यात्रा इत्यादि के दौरान वर्ड प्रोसेसिंग, स्प्रेडशीट कंप्यूटिंग इत्यादि कार्यों के लिए करते हैं। ये MS DOS या WINDOWS ऑपरेटिंग सिस्टम के द्वारा चलाये जाते हैं। एवं एवं नेटवर्क के द्वारा भी जोड़ा जा सकता है।

### 6) माइक्रो कंप्यूटर -

ये एक बहुउद्देशीय सबसे छोटा संपूर्ण कंप्यूटर सिस्टम होता है जिसमें संपूर्ण CPU एक अकेले चिप मिले माइक्रो प्रोसेसर कहा जाता है। इसमें एक समय में केवल एक उपयोगकर्ता कार्य कर सकता है। माइक्रो कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के विकास के अंत में बनाये गये हैं। पहले माइक्रो कंप्यूटर 8 बिट माइक्रो प्रोसेसर चिप द्वारा निर्मित किया गया। 8 बिट चिप से अभिप्राय यह है कि यह चिप एक समय में 8 बिट के आंकड़ों एवं निर्देशों को गणना, संयम

आवृत्त और उन पर प्रक्रिया कर सकता है।

माइक्रो कंप्यूटर किमी

की सड़े कंप्यूटर द्वारा दिये जाने वाले कार्य करने में सक्षम है, हालांकि  
 इसमें कुछ श्रद्धिक व्यवस्था एवं काम सुध्दा प्राप्त होती है।

गणनीकी

के

आधार

पर

कंप्यूटर

1) अनालॉग कंप्यूटर Analog

Computer

2) डिजिटल कंप्यूटर Digital

Computer.

3) हाइब्रिड कंप्यूटर Hybrid

Computer.

4) अनालॉग कंप्यूटर ~

इस प्रकार के कंप्यूटर का प्रयोग विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है। इसे हम अनुस्यू कंप्यूटर भी कहते हैं। अनालॉग शब्द ग्रीक भाषा से लिया है, जिसका अर्थ है - दो राशियों में समानता स्थापित करना। ये कंप्यूटर मापने की यद्धति पर आधारित होते हैं। भौतिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों पर कार्य करते हैं। अनालॉग कंप्यूटर कहलाते हैं। अर्थात् हम विभिन्न स्कारियों को आंकों में परिवर्तित न करके सीधे ही रनपुट करते हैं। इसमें सभी संकेत सतत रूप में होते हैं, चाहे वह रनपुट हो या अउपुट।

Digital Computer - अंकीय कंप्यूटर, जैसा कि नाम से पता चलता है कि ये गणनाओं पर आधारित

होता है। अर्थात् इस प्रकार के कंप्यूटर गणितीय क्षमताओं पर अथवा अंको अधिक कार्य करते हैं। डिजिटल कंप्यूटर कहलाते हैं। इन कंप्यूटरों में निवेश अंक रूप में हो सकता है। इस प्रकार के कंप्यूटर का प्रयोग सबसे होता है। अरब डालर / अंकों को वास्तवी के रूप में है। इस प्रकार अर्थात् 0 से 1 के रूप में स्वीकार करता है। यह कंप्यूटर विभिन्न प्रकार की समस्याओं को हल करने में सक्षम है तथा परिणाम भी शीघ्र ही प्रदान करता है।

3) Hybrid Computer - ये कंप्यूटर, जिनमें अनालॉग व डिजिटल दोनों प्रकार के कंप्यूटर की विशेषताएँ और गुण उपस्थित हों, मिश्रित कंप्यूटर कहलाते हैं। इसे संकर कंप्यूटर भी कहा जाता है।

कंप्यूटर

की

पीढ़ी

पीढ़ियाँ

कंप्यूटर के विकास की विभिन्न अवस्थाओं को कंप्यूटर की पीढ़ी कहा जाता है। पीढ़ी शब्द मुख्यतः कंप्यूटर में प्रयोग किम्व गण्य अवस्थाओं की अलगता को दर्शाता है। इन अलगताओं ने कंप्यूटर को क्रमशः प्रकार में धारा, तेज गति का सस्ता एवं आसान बना दिया, लेकिन ये विकास होने साफ़तर हुए कि किसी एक खास समय या धरती को एक ही पीढ़ी की श्रेणीत करना मुश्किल है। लेकिन प्रत्येक पीढ़ी के कंप्यूटर अपनी पिछली पीढ़ी की तुलना में निम्न बिन्दुओं पर अलग थे -

1) छोटी आकार

2) अधिक स्थायित्व

3) अधिक प्रदर्शन क्षमता

4) गणना की गति

5) अधिक जीवन काल

6) कम रख-रखाव की आवश्यकता

7) अधिक प्रदर्शन क्षमता -

1) पहली पीढ़ी के कंप्यूटर -  
1945-1955

आधुनिक

1946 \ ENTAC -

कंप्यूटर का मुद्रा

{ Electronic Numerical

Integrator and Calculator} कंप्यूटर के आविष्कार का  
प्रारंभ हुआ / लगभग इसी समय UNIVAC रैमिंगटन रोड  
Ramington

Ramond द्वारा निर्मित कंप्यूटर व्यावसायिक उपयोग में आया। इस पीढ़ी  
के कंप्यूटरों की सबसे बड़ी विशेषता निर्मित ट्यूब {Vacuum Tube} का  
उपयोग में आया। इस पीढ़ी के कंप्यूटरों की सबसे बड़ी विशेषता  
निर्मित ट्यूब का उपयोग किया जाता था।

निर्मित ट्यूब इस समय उपलब्ध

सुकराता इलेक्ट्रॉनिक अवयव था अतः इनके उपयोग से पहला इलेक्ट्रॉनिक  
कंप्यूटर बना सम्भव हुआ जिसमें निर्गत सुकरा केन्द्रीय इकाई CPU के  
द्वारा होता था। इसके साथ ही कंप्यूटर के पान न्यूमेन आर्किटेक्चर का  
उद्भव हुआ।

जिसका उपयोग आज तक के कंप्यूटरों में ही रह ही रह

तीसरी पीढ़ी के

1964-75

कम्प्यूटर

पहली दो पीढ़ी के

कम्प्यूटर अलग-अलग आवयों (इंजिनर, केपिटर, रजिटर, निर्यात  
 गेय इत्यादि) जोड़कर बनाये जाते थे जिससे किसी भी एक आवय के  
 लोप होने पर उसे ठीक करना एवं संचालना अत्यन्त दुष्कर कार्य होता था, लेकिन  
 इस पीढ़ी के कम्प्यूटरों में अलग-अलग आवयों का स्थान इन्टीग्रेटेड सर्किट  
 में ले लिया। इन्टीग्रेटेड सर्किट में अलग-अलग आवय जैसे - इंजिनर  
 रजिटर, केपिटर, गेय इत्यादि सैकड़ों की संख्या में छोटे से अर्ध-  
 चालक मोड्यूल सिलिकॉन चिप में आपस में सम्बन्ध कर बनाये  
 जाते हैं। इस तरह कम्प्यूटर का आकार अत्यन्त कम करने में मदद  
 मिलती है। इस पीढ़ी के कम्प्यूटर अपने से पूर्व की पीढ़ी की तुलना  
 में अत्यन्त विश्वनीय हो चुके हैं चूंकि अब कार्य करने वाली यूनिट  
 प्रोसेसर में विभिन्न आवयों को अलग-अलग जोड़ने की आवश्यकता  
 नहीं रही।

चौथी पीढ़ी के कम्प्यूटर

1975-1989

तृतीय पीढ़ी के

कम्प्यूटर में प्रयुक्त इन्टीग्रेटेड सर्किट्स में 10<sup>5</sup> इंजिनर प्रति-चिप सं  
 10<sup>6</sup> इंजिनर प्रति चिप तक लगाता सम्भव था इसे VLSI

Small

Scale Integration कहा जाता है। जिसमें 30,000 इंजिनर

गेय प्रति चिप VLSI है। लगातार प्रगति एवं नई तकनीकी क्षमता

कारण LSI = Large Scale Integration = 30,000 इंजिनर

गेट्स प्रति चिप VLSI (Very Large Scale Integration)  
 जिसमें 1000000 इंजिस्टर एवं गेट्स प्रति चिप तथा VLSI

Ultra Large Scale Integration जिसमें 100000-000

सबसे अधिक इंजिस्टर एवं गेट्स प्रति चिप लगाये जा सकते हैं का विकास  
 सामर्थ्य हुआ। अब तक पूर्ण CPU जिसे माइक्रो प्रोसेसर कहा जाता है

सिर्फ एक छोटे से सिलिकॉन चिप पर समा सकता है।

- 1) अत्यन्त छोटा आकार
- 2) अधिक विश्वसनीयता
- 3) अधिक प्रोसेसिंग
- 4) कम ऊष्मा उत्पन्न करना अंतः वायु प्रशीतन की आवश्यकता नहीं।
- 5) पोर्टेबिल एवं सामान्य रूप से बहुत उपयोगी।
- 6) अत्यधिक सस्ते।

5) पाँचवीं पीढ़ी के कंप्यूटर

1989- अब तक

प्रयोगात्मक

अवस्था में होने के कारण पाँचवीं पीढ़ी के बारे में कुछ कारना प्रकल  
 है। फिर भी इस पीढ़ी के कंप्यूटर में निम्न विशेषताएँ पूर्वानुमानित हैं:-

1) मानव स्वर समझना

2) उपयोगकर्ता द्वारा पूर्ण गति प्रयोगों के उत्तर

पुष्टिमाना से देना,



एक साथ कई कार्य करना।

काम करना।

42 मनुष्य से साधारण काम में संयोजित

प. 2

विशाल ऑपरेटिंग सिस्टम  
आप निम्नलिखित कार्यों को कैसे करेंगे? समझाएँ।

- cut copy and paste.
- cut a folder and shortcut
- Send a folder into floppy disk.

उत्तर -

कंप्यूटर एक ऐसा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है जो अनेक मानवीय कार्यों को समाप्त न करते हुए मानव की आवश्यकताओं को स्वचालित रूप से करने में सक्षम है। यह डाटा संग्रहित करने के लिए निर्धारित अनेक प्रबंधन और विभिन्न परिस्थितियों के लिए निर्धारित कार्य भी करता है। लेकिन इन सभी कार्यों को हाडवेयर डिवाइसों द्वारा सम्पन्न किया जाता है, इसलिए मानव और हाडवेयर के मध्य परस्पर सम्बन्ध स्थापित करने के लिए हमें सॉफ्टवेयर प्रोग्राम संश्लेषित किजाने

विशाल ऑपरेटिंग सिस्टम (OS) एक ऐसा सॉफ्टवेयर प्रोग्राम है, कंप्यूटर की डिस्क पर संग्रहित होता है और कंप्यूटर का रिकवरी करने पर इसकी मेमोरी में डाला जाता है तथा मानव द्वारा प्रदत्त मानवीय-भाषा के निर्देशों के अनुसार कार्य करता है।

ऑपरेटिंग सिस्टम अत्यन्त सभी उपलीकरण प्रोग्रामों का भी  
 संचालन करता है। यह अत्यन्त सॉफ्टवेयरों जैसे - माइक्रोसॉफ्ट इयूथिस,  
 सॉफ्टवेयर को प्रोसेस तथा येल मेकर आदि पर कार्य करने के लिए  
 संचालन प्रबल करता है। जिन उपलीकरण सॉफ्टवेयरों पर हम विण्डोज  
 में कार्य करते हैं वे सभी स्क्रीन पर एक आयताकार क्षेत्र में प्रदर्शन  
 करते हैं। इसी आधार पर इस सॉफ्टवेयर का नाम विण्डोज पड़ा है।  
 ऑपरेटिंग सिस्टम विण्डोज एक चित्र पर  
 आधारित इंटरफेस है। पहले विण्डोज डॉस द्वारा शुरू हुआ कंप्यूटर का  
 कार्य करती है। डॉस पर कार्य करने के लिए प्रोग्रामर को अनेक  
 कमाण्ड्स को याद करना पड़ता था। इस परेशानी को दूर करने में रखते  
 हुए, माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन ने विण्डोज को ऑपरेटिंग सिस्टम के  
 रूप में प्रस्तुत करते हुए विण्डोज 95 को विकसित किया। इसमें  
 विभिन्न कमाण्ड्स को मैन्यू के अंतर्गत विकल्पों के रूप में दिया गया  
 है। इन कमाण्ड्स का प्रयोग करने के लिए इनकी माउस अथवा  
 किसी अन्य प्वाइन्टिंग डिवाइस से चुनना होता है। इसी दौरान इंटरनेट  
 विन्डो नली से होने लगा।

इस विण्डोज ऑपरेटिंग सिस्टम में निदेशों  
 टाइप करते की अनुविधा को स्वल्प कर दिया जाता है। यह प्रोग्राम  
 की सुविधा प्रदान करता है। अर्थात् अहाँ पर ग्राफिकल यूजर  
 इंटर फेस में USER SEARCH पर चित्र रूप में प्रोग्रामों के आइकन  
 मैन्यू के निदेशों को दर्शाता है।  
 जगह के आइकन को हम  
 स द्वारा चुनते हैं एवं क्रियाचिन्त करते हैं।

विंडोज

ऑपरेटिंग

सिस्टम

विशेषताएं ~

विंडोज 98 में मॉनीटर

अपने डिस्क पर काम न करने पर एक निश्चित समय के बाद स्वतः ही बंद करने के लिए प्रोग्राम किया जा सकता है, जैसा यदि हम 10 मिनट का समय निर्धारित करते हैं अर्थात कांप्यूटर ट्रांन है और 10 मिनट तक उस पर कोई कार्य नहीं किया जा रहा है तो 10 मिनट बाद स्वतः ही बंद हो जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर केवल "Enter" कीं को दबाकर कार्य कर सकते हैं।

2) कांप्यूटर के बंद होकर ड्राइव प्रॉपर्टी C:\7 न

प्रदर्शित करके सीधे विंडोज 98 का डेस्कटॉप प्रदर्शित करना है। विंडोज 98 के विशाल डेस्कटॉप पर विभिन्न वांछित सुब आवश्यकता प्रोग्राम को आइकन के रूप में रखकर उनका कार्यन्वयन सुलभत तौर गति से किया जा सकता है। ये आइकन प्रोग्राम के शॉर्टकट कहलाते हैं।

3) विंडोज में हम किसी भी प्रोग्राम या कमाण्ड का शॉर्टकट बनाकर आइकन के रूप में डेस्कटॉप पर रख सकते हैं।

4) विंडोज

जी. यू. आई. यूपूति पर आधारित ऑपरेटिंग सिस्टम है। हमें दिखाने वाले सभी कमाण्डों के लिए स्क्रीन पर ग्राफिकस सॉफ्टवेयर जैसे शॉर्टकट कहते हैं, जो Desktop पर बने होते हैं। अंतः MS-Word की तरह कमाण्डों को की-बोर्ड की सहायता से टापर करने का प्रोग्राम माउस द्वारा क्लिक करने से ही उपयोग में ला सकते हैं।

# विंडोज़ ऑपरेटिंग सिस्टम के कार्य

उडिटे मेन्यू के अंतर्गत फाइल में परिवर्तन से संबंधित कोई भी कार्य करने के लिए उडिटे मेन्यू का उपयोग किया जाता है।

## Cut, Copy and Paste

**Cut** - किसी भी मेटर को फाइल या फोल्डर डायरेक्टरी से हटाने के लिए कट (Cut) विकल्प का उपयोग करते हैं। कि बॉक्स की Ctrl+X की उपयोग से भी हम कट (Cut) का प्रयोग में ला सकते हैं।

**Copy** - उडिटे मेन्यू के इस कमांड का प्रयोग किसी भी डायरेक्टरी या मेटर (Folder) की कॉपी करने के लिए करते हैं।

**Paste** - PASTE से अभिप्राय है चिपकाना। किसी भी कॉपी या फाइल का कट किया गया मेटर को किसी अन्य जगह पर चिपकाना/रोलना ही पेस्ट होता है। अतः उडिटे मेन्यू के इस कमांड का प्रयोग मेटर को पेस्ट करने के लिए करते हैं।

## Great a Folder

and

Shortcut

Computer में New Folder  
 कैसे बनाये -  
 How to create  
 new folder  
 in

Computer ?

Folder हमारे Computer में एक Store location है,  
 जहाँ हम अपना Data Store करते हैं, यह Data files,  
 images, videos आदि format में हो सकता है।

Folders हमारे Data को Store करने के लिए सबसे  
 अच्छी जगह (Best location) है। आप किसी विशेष प्रकार Specific  
 Data के हिसाब से Folder का नामकरण कर सकते हैं।

और इन्हें जब चाहे तब आपसानी से देव  
 सकते हैं। आप एक जगह पर कितने भी Folder create कर सकते हैं।  
 और एक Folder के भीतर कितने भी Sub-folder create  
 कर सकते हैं।

नई Folder बनाने के फायदे

1) Computer Hard Drive में नया Folder बनाकर इसमें Data  
 Store किया जा सकता है, हम एक प्रकार के डाटा को एक ही नये  
 फोल्डर में रख सकते हैं, जैसे हम सारे Videos को एक My Videos  
 नाम से नया फोल्डर बनाकर इसमें Store कर सकते हैं, हम चाहे  
 इस फोल्डर के भीतर भी एक नया फोल्डर बनाकर अपने Videos  
 Subject-wise -  
 धारकर रख सकते हैं।

जब एक Folder के भीतर कोई नया फोल्डर बनाया जाता तो उसे "Sub-Folder" कहते हैं, जैसे "My Videos" फोल्डर के भीतर एक "Kunjabi Videos" नाम का फोल्डर बनाते हैं, तो यह "Kunjabi Videos" नाम फोल्डर बनाते हैं, तो यह "Kunjabi Videos" फोल्डर का "Sub-Folder" है।

Videos की तरह ही हम अपनी सभी Pictures/Pictures को "My Photos" नाम से नया फोल्डर बनाकर रख सकते हैं। यदि हमारे पास Videos Photos के अलावा किसी प्रकार का Folder है, तो उसे भी नया Folder बनाकर कहा जा सकता है।

Folder में हमारे Total Folder को विषयवार Subject-wise संयोजित रखने में मददगार है। जब कंप्यूटर में Folder Subject-wise वर्गीकृत होता है, तो उस Folder को खोजने में हमें ज़्यादा समय नहीं लगता है। हम किसी भी Specific Folder को तुरंत खोज सकते हैं।

अपने अनेक गुरु कामों का रखना भी कर सकते हैं। जब हमें सही तरह से नया फोल्डर बनाना पड़े, तो क्या आप तैयार हैं, अपने लिए नया फोल्डर बनाने के लिए?

आपने कब हैं!

तो

कलिय आप और हम मिलकर नया फोल्डर बनाते हैं।

~~Folder में से नाम नया New Folder  
करने के लिए सबसे पहले उसी Folder  
में से नाम नया New Folder create  
करने के लिए सबसे पहले उसी  
Folder में नाम नया है~~

# KEY-BOARD SHORTCUT

से नया Folder

बनाया

New Folder create करने का सबसे सरल और तेज तरीका  
Key board Shortcut का उपयोग करना।  
आसु जानते है

new Folder create

करने के लिए किस Keyboard Shortcut का उपयोग किया  
जाता है:

## Key board Shortcut

new Folder

i) सबसे पहले आप जहाँ पर भी new Folder create  
करना चाहते है उस जगह पर जायु. आप चाहे तो हमारी तरह  
DESKTOP का उपयोग कर सकते है -

ii) फिर की-बोर्ड से  $Ctrl + Shift + N$  कुक साथ दबायु.

इसके बाद फोल्डर का जो नाम आप देना चाहते है उसे लिखें और Enter दबायें.

और फिर ही लैकाउट में आपका new folder create हो जायगा।

## Right click के द्वारा नया

### फोल्डर बनाना

सबसे पहले आप जहाँ पर भी new folder create करना चाहते है उस जगह पर जाय. आप चाहे तो हमारी तरह Desktop उपयोग कर सकते है.

इसके बाद किसी खोली जगह पर Mouse का दबाव धरन Right click दबायें.

Right click करने पर आपके सामने " Right click menu " खुल जायगा।

में से आपको पहले new और इसके बाद Folder पर क्लिक करनी है.

इसके बाद फोल्डर का जो नाम आप देना चाहते है उसे लिखें और Enter दबायें या फिर आप धार क्लिक कर सकते है, और आपके सामने new फोल्डर create हो जायगा।



# Sent a Folder into Floppy disk

Floppy disk एक प्रकार के magnetic storage medium है जो computer systems के वही इन floppy disk में data को read और write करने के लिए आगे के computer system में एक floppy disk drive fold जल्द से होता चालिये. पहले के समय में floppy disks का उपयोग computer के operating systems को store किया जाता था. इसीलिए आज floppy disk की व्याख्या कि जासगी!

कंप्यूटर में बनायी जाने वाली फाइलों को किसी माध्यम पर स्टोर किया जाता है - जैसे हार्ड डिस्क, फ्लॉपी डिस्क आदि फाइल को स्टोर किया जाता है।

किसी फ्लॉपी को चुम्बकीय ट्रैक और सेक्टर में बाँटकर कार्य के लिए तैयार करना फॉर्मेटिंग कहलाता है. अगर हम नयी फ्लॉपी का उपयोग कर रहे है तो पहले इसे फॉर्मेट करना आवश्यक होता है. Formatting के बाद ही हम इसमें फाइल जोड़ कर सकते है।

फ्लॉपी डिस्क का वर्गीकरण इसकी साइज के आधार पर किया जाता है। -

8- इंच फ्लॉपी      8-inch floppy

5 1/4 इंच फ्लॉपी      5 1/4-inch floppy

विंडोज XP ऑपरेटिंग सिस्टम में नेटवर्किंग की सुविधा कैसे प्रदान की जाती है? विंडोज फ़ायरवॉल की विंडो का चर्किंग क्रिया दो भागों में बंटा होता है। बाई और दाएँ भागों में बंटा होता है। बाई और दाएँ भागों में ही Firewall के रूप में विभिन्न फ़ोल्डर्स का प्रदर्शन होता है और और दाएँ भाग में चुनी गई ड्राइव अथवा फ़ोल्डर में स्थित फ़ाइल फ़ोल्डर्स का प्रदर्शन होता है। बाई भाग में चुने गये फ़ोल्डर का नाम दिखाते हैं। Address के सामने दिख गये लिस्ट बॉक्स में प्रदर्शित है। साथ ही यह नाम उसके चर्किंग क्रिया के दाईं भाग में बाई और दाएँ भागों में प्रदर्शित होता है। दाईं भाग में फ़ाइल एवं फ़ोल्डर्स के प्रदर्शन की अपनी आवश्यकता एवं रूखा के अनुसार बदला भी जा सकता है।

विंडोज फ़ायरवॉल की विंडो में टाइटिल बार के नीचे मेन्यू एवं टूलबार प्रदर्शित होती है। इन दोनों के नीचे Address का प्रदर्शन होता है।

इस विंडो के दाईं भाग में फ़ाइल एवं फ़ोल्डर्स का प्रदर्शन बदलने के लिए इस विंडो की टूलबार पर View बटन पर क्लिक करने से यह प्रदर्शन बदल जायेगा। इस विंडो में फ़ाइल एवं फ़ोल्डर्स का प्रदर्शन चार प्रकार से होता है। प्रत्येक बार टाइटिल बार पर क्लिक करने से इस विंडो के दाईं भाग में स्थित फ़ाइल एवं फ़ोल्डर्स का प्रदर्शन बदलता रहेगा। इस टाइटिल बार पर माउस क्लिक को लाकर कुछ समय तक दबाई रहने पर अथवा इसके दाईं ओर डबल क्लिक पर क्लिक करने पर इन चारों प्रकार के प्रदर्शन चुनी प्रदर्शित होती है।

विंडोज फ़ायरवॉल में फ़ाइल की कॉपी करना

विण्डोज मुक्सफ्लोर में किसी फाइल को किसी अन्य स्थान  
में कॉपी करने के लिए उस विण्डोज के दाईं भाग में उस फाइल को चुन  
लिया जाता है।

यस उस फाइल को जिस ड्राइव या फ्लोपी डिस्क में कॉपी करना  
चाहते हैं उसे चुन ले जाकर माऊस प्वाइन्टर को छोड़ते ही फाइल को  
कॉपी किया जाने की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाती है। अब कॉपी किया जाने की  
प्रक्रिया प्रॉन्टर स्क्रीन पर एक डबलिंग वाइंडो के रूप में प्रदर्शित होती है।

विण्डोज मुक्सफ्लोर में फाइल को मूल स्थान पर  
विस्थापित करना -

विण्डोज मुक्सफ्लोर में फाइल को मूल स्थान से हटाकर किसी अन्य नए स्थान पर विस्थापित करना भी  
कॉपी करने के समान ही है।

विण्डोज मुक्सफ्लोर में File (अथवा  
Folder) को मिटाना -

विण्डोज मुक्सफ्लोर में किसी File  
को तीन प्रकार से मिटाया जा सकता है -

1) मिटाने वाली  
फाइल (अथवा Folder) को चुनकर की-बोर्ड पर "Delete" की को दबाकर  
मिटाने वाली फाइल (अथवा फोल्डर) को चुनकर उस विण्डोज को टूटाने  
पर स्थित "Delete" बटन पर Click करके अब मिटाने वाली File  
फोल्डर को चुनकर उस विण्डोज को Edit मेन्यू में से Delete विकल्प  
को चुनकर विण्डोज मुक्सफ्लोर किसी File को मिटाने से पूर्व प्रयोग-  
कर्ता को चेतावनी देती है।

यदि हम चुनी गई File (अथवा Folder) को  
मिटाने में निश्चय चाहते हैं, Yes and No Button को पुरा करेंगे।



you can edit the content

Editing of a document

Paragraph Formatting

Character Formatting

Editing of a document

in

MS. Word

you can edit content in MS Word by selecting the content and using the edit options. You can also format the content by using the formatting options.

you can select the content by clicking on it. You can also select the content by using the mouse or keyboard shortcuts.

you can delete the content by clicking on the delete key. You can also delete the content by using the keyboard shortcuts.

if you want to delete the content, you can use the delete key. You can also use the keyboard shortcuts to delete the content. For example, you can use the Ctrl + X key to cut the content, the Ctrl + C key to copy the content, and the Ctrl + V key to paste the content. You can also use the Ctrl + Z key to undo the last action and the Ctrl + Y key to redo the last action.

# Paragraph Formatting

M.S Word

Paragraph Formatting आपको ले आउटलाइन के साथ ही साथ ही अनुमति देता है। इस पॉल में आप पैराग्राफ

Alignment Tab indent line Spacing Paragraph Spacing Zala Set कराना सीखें।

## How to change

### Paragraph

### Alignment

पैराग्राफ Alignment आपको मे Set करने की अनुमति देता है कि आप Text को कैसे दिखाना चाहें है।

सबसे पहले Home Tab पर क्लिक करें। उसके बाद Paragraph Group पर क्लिक करें। उसके बाद Alignment उपकरण

1) left Align - मे टेक्स्ट को आपके बायें मजिद के सर कर देता है।

2) Center Align - मे Text को बीच में सर कर देता है।

3) Right Align - मे टेक्स्ट को आपके दायें मजिद के सर कर देता है।

4) Justified Align - मे टेक्स्ट को बायें मजिद के सर कर देता है।

# Character

## Formatting

प्रकार को बदलने में उपयोग करने का एक ही तरीका है।

जैसे प्रकार का Text दिया जाये वो सब प्रकार होना है या बीच-बीच में जो फूल रंग या चौड़ा इत्यादि का जो सब प्रकार होने है।

कैरेक्टर को फॉन्ट देने का मतलब हुआ उन्हें जिस तरह की रूप-रेखा प्रदान करना और उनके रंग, आकार और फॉन्टिंग द्वारा ही बदलते है।

इसका इस्तेमाल माइक्रोसॉफ्ट वर्ड में होता है।

## How to do character formatting in Ms word.

कैरेक्टर फॉन्टिंग के हर सारे फीचर हैं जिनके द्वारा आप उनके रूप में बदलाव कर सकते हैं।

- 1.1. आपका और उनके बदलाव करने की पूरी प्रक्रिया को सरल शब्दों में समझाएँ।
- 1.2. हम आपको इन सभी फीचर को एक-एक

शब्दों, शब्दों आदि की दिखावट को इसी तरीके द्वारा जाना है।

## How to change font

in Ms word फॉन्ट को हम शब्दों

का कर सकते हैं। सरल भाषा में आप इसे एक हैंड ग्राइडिंग कह

... ..

- 1. Format Menu के द्वारा
- 2. Formatting Toolbar में जाकर
- 3. Paragraph Shortcut से।

### Format Menu के द्वारा

... ..

... ..

... ..

... ..

... ..

... ..

### Formatting Toolbar में जाकर

... ..

... ..

### Key-board Shortcut



1. टैग को सेलेक्ट करें।

2.  $Ctrl + Shift + F$  प्रेस करें।

3. फोंट का प्रयोग कर मकामला फॉन्ट सेलेक्ट करें।

और फॉन्ट का आकार कैसे बदलें?

How to change font

Size in Ms word

1. जिस Text का आकार बदलना है उसे सेलेक्ट करें।  
 2. फॉन्ट मेनू के अंदर फॉन्ट में जाय जहाँ आपको फ्रॉन्ट दिखाएगा।  
 3. वहाँ सारल बॉक्स के अंदर जाकर कोई भी सारल सेलेक्ट कर सकते हैं। जिसके बाद आपको OK Click करना होगा।

How to Change font Style

in Ms word.

Font का

1. बदलने के लिए फॉन्ट मेनू के अंदर स्टारल आइकॉन को प्रेस करें। और ड्राय डाउन मेनू के अंदर से कोई भी स्टारल चुने।  
 2. काप टाय  $Ctrl + B$  और  $Ctrl + I$  दबा कर शॉर्टकट में भी कर सकते हैं।

यू.ए. वॉर्ड में मेसज की स्टेप को Envelops  
 Mailing level को निर्मित करने के लिए उदाहरण  
 यू.ए. वॉर्ड में मेसज की Step को Envelops तथा Mailing  
 level में निर्मित करने के लिए हम सबसे पहले Envail का अर्थ

है।  
 E-mail का तात्पर्य Electronic  
 है। एक ठोस प्रणाली है। जिसमें इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क तथा  
 में विभिन्न प्रकार के लिखित संदेशों का आदान-प्रदान किया  
 है।

ई-मेल द्वारा कई प्रकार की सामग्री अथवा संदेश, चित्र, स्लाइड  
 और वीडियो विलय आदि भेजे जा सकते हैं। हमें डाकियों की  
 आवश्यकता नहीं रहती है। धर बैठ-बिठाये संदेश तथा अन्य सामग्री  
 भेजा जाता है।

ई-मेल में बहुत ही कम समय लगता है। तुरन्त आदान  
 प्रदान होता है - केवल वातलायन नहीं हो पाता है। ई-मेल यत्र  
 के लिए जो स्क्रीन दिखायी देती है उस पर निम्न. शब्द  
 दिखायी देते हैं -

To - इस भाग में जिसे यत्र भेजना चाहते हैं,  
 ई-मेल उन्हीं को भेजा जाता है।

जैसे -

Kalpanaji@yahoo.com

Shweta123@Tndia.com

Neha16@yahoo.com

भेजने व प्राप्त करने के मुख्य सिद्ध. इसके निम्नलिखित

...दिए जाते हैं या तो करने के लिए उपयोगकर्ता को ई-मेल ...  
... ई-मेल प्राप्त किया जा सकता है।

- Shine @ yahoo.com.
- Shweta 123 @ India.com.
- Neta 16 @ yahoo.com.

...कंप्यूटर पर हस्तक्षेप करने का मतलब होता है उसी के द्वारा ई-मेल ...  
... प्रेषित किया जा सकता है।

जिस कंप्यूटर पर संदेश भेजा ...  
... वह कंप्यूटर बंद कर दिया जाये तब भी डाटा (सूचना) ...  
... के मेल बॉक्स पर पहुँच जाती है और जैसे ही उपयोग-  
... करने वाले कंप्यूटर को एक्टिवेट से जोड़ता है तो वह सूचना उसके मेल ...  
... से उसके सामने आ जाती है। इसी तरह उपयोगकर्ता अपनी सूचना ...  
... के संदेशों का प्रदान-ग्रहण ई-मेल द्वारा कर सकते हैं।

4) ई-मेल द्वारा

... से अधिकतम व्यक्तिओं को संदेश भेजा जा सकता है। ई-  
... पत्र, फोटो, कार्ड, फ्लैश, ऑडियो तथा आवाज का भी ...  
... प्रदान किया जाता है।

जिस कंप्यूटर पर संदेश भेजा गया है यदि ...  
... कंप्यूटर बंद कर दिया जाये तब भी डाटा (सूचना) उस कंप्यूटर के ...  
... बॉक्स पर पहुँच जाती है और जैसे ही उपयोगकर्ता अपने कंप्यूटर ...  
... एक्टिवेट से जोड़ता है तो वह सूचना उसके मेल बॉक्स से उसके सामने ...  
... ती है। इसी तरह उपयोगकर्ता अपनी सूचना अपना संदेशों का ...  
... प्रदान ई-मेल द्वारा कर सकते हैं।

जिस कंप्यूटर के द्वारा ई-मेल सुविधा प्राप्त होती है उसे  
Mail Server कहा जाता है और जिस  
कंप्यूटर पर संदेश प्राप्त होते हैं उसे Mail Client कहा जाता है।  
इस प्रकार तकनीकी सेवा विभिन्न प्रकार की हो सकती है।

अगर इंटरनेट  
के माध्यम से ई-मेल की सुविधा लेनी हो तो सर्वर (Server) को  
इंटरनेट सेवा में शामिल होना चाहिए। इसी प्रकार से संदेश भरण  
करने वाले ग्राहक भी अपने इंटरनेट सेवा का प्राधिकार हो। अथवा  
अपने पास इंटरनेट से टेलीफोन, लैंड लाइन या VSAT के द्वारा  
सर्वर की सुविधा हो, तभी संदेश भेजे जा सकते हैं तथा प्राप्त किया  
जा सकता है। इसके अतिरिक्त ई-मेल के लिए एक समुचित  
सॉफ्टवेयर भी ग्राहक कंप्यूटर के पास होना चाहिए।  
ई-मेल पते-

जिसे भी ई-मेल भेजने के लिए उसका  
ई-मेल पता मालूम होना चाहिए। इंटरनेट पर सामान्यतः ई-मेल  
पता निम्न प्रकार से लिखा जाता है-

स्थानीय-पता @ पक्ष-नाम

स्थानीय  
पते से भेजे जाते हैं। ई-मेल उपयोग करने वाले व्यक्ति का लॉक  
नाम (log-in name) पर नाम जो अपने अपने मेल सर्वर  
Mail-Server अथवा इंटरनेट सर्वर internet server  
जिसके पास आपका M/C है, को दिया है।

स्थानीय पते के बाद @  
लिखा जाता है जिसके बाद वह सर्वर का नाम  
लिखा जाता है। इसके अतिरिक्त 'मेल-सर्वर' का "पक्ष-नाम" domain

माना जाता है। इस पत्रनाम के अलग-अलग भागों या दिनों को  
आसानी से पढ़ सकते हैं। इन कालांतरों Periods को बिन्दु Ret's

माना है।

आवृत्ति -

From -

इस भाग में जो पत्र भेज रहा है, उसका

पता सुद्ध लिखा आ जाता है।

जैसे - Shweta 123@india.com

इस भाग में फा की कॉपी जहां भेजनी है, उसका पता लिखा  
है। इसका अर्थ यह पत्र की एक कॉपी भेजने वालों के पता को  
आ जाती है।

Subject -

इस भाग में पत्र का विषय लिखा जाता

जैसे -

Hello How are you. & नमो शेष रवाली

इस में हम जानना भी भेज सकते हैं।

# Internal Dos Command

## Internal

### Dos

### Command

- CD (Command)
- CHCP C Dos command
- CLEAR C Dos command
- CLS (Command)
- CLS C Dos command
- COMMAND (Command)
- Copy (Command)
- DATE (Command)
- TIME (Command)
- DIR (Command)
- MD (Command)
- DEL (Command)
- PATH (Command)
- TYPE (Command)
- PROMPT (Command)

## CD - Command -

Change Directory -

यह कमांड डायरेक्टरी को बदलने में सहायता करता है

SYNTAX -

C:\>CD <DIR

Example 7

Ex - C:\>CD ABC

11) DIR - Command - यह कमांड किसी डायरेक्ट्री में फाइल काहल और सब डायरेक्ट्री कि सूची प्रदर्शन करता है।

SYNTAX - C:\> dir

अदि किसी विशेष डायरेक्ट्री की काहल कि सूची चाहते है तो dir के साथ डायरेक्ट्री का नाम देते है।

SYNTAX -

C:\> Dir < Directory name >

Ex -

C:\> Dir abc

12) MD Command (Make Directory) - इस कमांड का उपयोग नयी डायरेक्ट्री बनाने के लिए किजे जाता है।

SYNTAX ~

C:\> MD < Directory name >

Ex -

C:\> MD ABC

13) CD ~ Command - इस कमांड का उपयोग डायरेक्ट्री से बाहर जाने किजे जाता है।

Syntax -

C:\> < Dir

name > < Command >

Ex -

C:\> ABC > CD

C:\>

**RD - Command - Remove Directory** - इस  
 कमांड का उपयोग Disk में पहले से  
 ही डायरेक्ट्री को remove करने के लिए किया जाता है।

**Syntax -** `C:\> RD <DIR`  
 Name ?

**Ex -** `C:\> RD ABC`

**CLS (Clear Screen Command)** - इस  
 Command

के द्वारा Screen को clear कर सकते हैं।

**SYNTAX -** `C:\> CLS`

**Ex -** `C:\> CLS`

**Copy - Command** - इस Command के द्वारा हम किसी  
 file को duplicate file बना  
 सकते हैं।

**Syntax - 1** `C:\> copy <file`

`Name ? < new name ?`

**Syntax - 2** `C:\> copy`

`< Path \ file name ? < Target Drive ?`

**Ex -** `C:\> copy ABC`

XYZ

**Ex** `C:\> copy DELHI`



## DEL Command

Delete Command - इस कमांड का  
file को disk से delete करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

Syntax -

name >

C:\> Del <DIR

Ex

C:\> Del

ABC.txt

## REN ~ Command ~ (RENAME COMMAND)

इस कमांड का प्रयोग file को RENAME  
करने के लिए किया जाता है।

Syntax -

C:\> REN <old file name> <New

file Name >

Ex - ABC.txt XYZ.txt

## TYPE Command

इस कमांड का use file  
के content को screen पर दिखाने के लिए  
करा जाता है।

Syntax -

C:\> TYPE <DIR

name

Ex -

C:\> RD ABC.txt

## DATE Command

इस कमांड का इस्तेमाल

current date (MM-DD-YY) format में होता है।

Syntax = C:\> date  
Ex - C:\> date

12) TIME Command -  
इस Command के द्वारा हम Current

time को बता सकते हैं।

Syntax - C:\> time  
Ex - C:\> time

13) VER -

VERSION -

ii Present date इस Command के द्वारा हम System  
की वर्ज़न और वर्ज़न को बता सकते हैं।

Syntax = C:\> VER  
Ex - C:\> VER

14) Copy -

Command का use file को duplicate करने के  
लिए किया जाता है।

Saving file : file Ctrl + Z

के द्वारा Save केन जाती है।

Syntax - Con < file name > C:\> copy

Ex. Con ABC.txt

Hello this is first file

"2 (Ctrl+Z) / F2

i) file copied

16) **PATH COMMAND** - एह Command डी Dos की use करेगा  
 गुना है तेन तेनी डायरेक्टरी की या एसा के लेग एह  
 directory search करेता जाये।

**Syntax** - C:\> PATH  
**Ex** - C:\> PATH

17) **Changing the drive**

Change करे के लेग डी drive तेनी डी drive  
 Enter तेनी जाता है। name को लेन के

**Syntax** - C:\> Drive name  
**Ex** - C:\> A:

17) **EXIT Command**

एह Command की USE Dos Prompt  
 से बाहर जाने के लेग तेनी जाता है।

**Syntax** - C:\> Exit  
**Ex** - C:\> Exit

18) **PROMPT**

Command - एह Command के द्वारा डी Prompt  
 change कर सकते है।

**Syntax** - C:\> Prompt name C:\>  
**Ex** - Prompt Paragraph

7. यु.एस.एस. यु.एस.एस. में आंतरिक व अंतर-राष्ट्रीय व्यापार के प्रकार  
दस्तावेज के पांच विधियों की प्राथमिक तैयारी की है।

युम. युम. पावर प्वाइंट में एक शैक्षिक प्रेजेंटेशन तैयार कराना

- ग्राफिक्स
- आवाज
- चलचित्र
- डिजाइन
- मुनीमेरान.

### ii ग्राफिक्स

इंटरनेट की दुनिया में प्रिंट मीडिया Publication में भी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है उस में online मीडिया या किसी भी प्रोड्यूसर Company Branding में सबसे महत्व होता है।

Virtual -

Presentation के लिए Creativity का और भी काम एक बेहतर Graphic Designer ही कर सकता है।

### Power Point में एक

आसान Presentation बनाने के लिए Step-by-Step सोल्युशन के लिए Step-by-Step गाइड लें, जो एक अनुक्रम को भी प्रस्तुत करने के लिए तैयार है।

### ii Content पहले आता है-

Power Point आधारित प्रेजेंटेशन को सफल बनाने के लिए एक सफल आधारित प्रेजेंटेशन को सफल बनाया जाता है।

हम ग्राफिक्स को कई स्लों जैसे फोटो,

चार्ट, लोगो, वातावरणिक अनुसंधान स्लाइड में उपयोग कर सकते हैं। प्रिंट मीडिया, सिखाए गए स्लाइड्स में चित्र का उपयोग एक सफल प्रेजेंटेशन को आपके विचारों के संदर्भ में सीधे तथा संक्षिप्त

व्याख्या प्रदान करता है। अपने विकासशील व्यापार को प्रदर्शन  
 करने के लिए चित्रों का चुनाव एक अत्यंत महत्वपूर्ण करता है। अपने  
 विकासशील व्यापार को प्रदर्शन करने के लिए चित्रों का चुनाव एक  
 अत्यंत महत्वपूर्ण मार्केटिंग निर्णय है। विज्ञापन से सम्बंधित चित्र ऐसे  
 होने चाहिए कि वे उपभोक्ता को आकर्षित करें तथा साथ ही आप जिस  
 व्यापार की मार्केटिंग कर रहे हैं, उसका मसार्थ प्रस्तुतीकरण भी करें।  
 ग्राफिक्स लोगों को जानकारी प्रदान करने के मुख्य रूपों की तुलना  
 में ज्यादा जल्दी तथा ज्यादा मात्रा में जानकारी प्रदान करता है।  
 ग्राफिक्स के बहुत सारे प्रकारों को मल्टीमीडिया  
 में स्वीकृत किया जाता है। ये नि.लि. हैं।

- 1) चित्र, कोरेोग्राफ तथा 3D इमेज
- 2) बैकग्राउंड
- 3) बरत
- 4) चार्ट
- 5) फ्लोचार्ट
- 6) संगठन चार्ट

### आवाज

"द्वनि हवा में दबाव का एक  
 दोहराया जाने वाला पैटर्न है और यह एक मार्कोफोन द्वनि तरंग  
 को एक विद्युत तरंग में बदल देता है। हमारे शब्दों में "ठिक बिल्ली  
 और प्रकार की ही तरह द्वनि भी ऊर्जा का एक रूप है।"

हम सूचनाओं को शब्दों में प्रस्तुत करने के  
 लिए ऑडियो का प्रयोग कर सकते हैं। आजकल अनेक व्यक्ति  
 टेपस्ट को पढ़ने की बजाय ऑडियो को सुनना अधिक पसंद  
 करते हैं। कंप्यूटर में ऑडियो का प्रयोग करने के लिए सबसे आम  
 कारण है - अपनी पूरी क्षमता में मल्टीमीडिया का अनुप्रयोग होना।

होना नहीं चाहिए। लेकिन हमें प्रारम्भिक एवं प्रभाव background

Sound-effect के साथ मल्टीमीडिया अनुप्रयोग Application

प्रयोग करके अंशों का ध्यान अकार्षित कर सकते हैं। इस तरह सुनिश्चित कर सकते हैं कि महत्वपूर्ण सूचना पर ध्यान दिया जाता है।  
Multi + Media = Multimedia में अंशों के

- 1) Analog Audio - अनालॉग अंश
- 2) Digital Audio - डिजिटल अंश
- 3)

अनालॉग अंश - Analog Audio - अनालॉग

अंशों तरंगों का प्रयोग करना है तथा रिकार्ड की गई ध्वनि का पुनरुत्पादन करने के लिए इसे इलेक्ट्रिकल कोइल द्वारा उत्पन्न किया जाता है।

2) डिजिटल अंश - Digital Audio - डिजिटल अंश

जिसे आपनौर पर स्टोरेज और तंजी से संचरण के लिए संकुचित की जाती है। अंशों को छोटे-छोटे स्वतंत्र टुकड़ों में भंजी जा सकती है। इन मल्टीमीडिया प्रभाव प्रुजिक सुनने के लिए स्पीकर को रिपल-टाइम में ध्वनि के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। और अंशों या पीडियों कंप्यूटर में भण्डार लेने के लिए, ध्वनि को स्ट्रीमिंग ध्वनि के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

## कालिका

कालिका प्रदीपित शब्द

जो कालिका प्रदीपित शब्द का अर्थ है। जो कालिका प्रदीपित शब्द का अर्थ है।

कालिका प्रदीपित शब्द का अर्थ है। जो कालिका प्रदीपित शब्द का अर्थ है।

जो कालिका प्रदीपित शब्द का अर्थ है। जो कालिका प्रदीपित शब्द का अर्थ है।

## डिजाइन

डिजाइन डिजाइन का

जो डिजाइन डिजाइन का अर्थ है। जो डिजाइन डिजाइन का अर्थ है।

जो डिजाइन डिजाइन का अर्थ है। जो डिजाइन डिजाइन का अर्थ है।



तथा साथ ही उनके पास होस बिलनेस तथा संचारण योग्यता होती है।

आर्थिक डिजाइनर बनने के लिए एक डिजाइन संभवतः सबसे महत्वपूर्ण योग्यता है। अब आपके लिए बहुत सारे उपयोगिता कार्यालय हैं। एक डिजाइन मरीपल कोडिंग भाषाओं में प्रवाही होने कारण आप घर बैठकर आसानी से परिकामी कार्य कर सकते हैं तथा साथ ही योग्यता आपको संभावित नियोजन के मध्य ज्यादा-प्रकारित बनायगी, जो कम लागत हेतु बहुत सी प्रतिया वाले डिजाइनर्स को कोल करते हैं।

### मुनीमैरान -

कम्प्यूटर मुनीमैरान की शुरुआत 1960 के दशक में मारान में प्रोसेक्टर कलर डिजाइनरों के साथ हुई। अब तकनीक इतनी उन्नत है कि कलाकार कम्प्यूटर रेंडरिंग की सहायता से नक्कीर खींचता और उसे मैनिपुलेट करता है। प्रत्यूमि प्रदान के लिए और रंगों का चुनाव करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक सततों और कम्प्यूटर प्रोग्रामों का उपयोग करके तैयार प्रोडक्ट को टेलेविजन के मांनिर पर विजुअलाइज किया जाता है तथा एक कम्प्यूटर डिस्क में संग्रहित कर लिया जाता है। मल्टीमीडिया कम्प्यूटर सिस्टम विविध प्रकार के फॉर्मेट्स से सामग्री को इकट्ठा या मुकीकृत करते हैं। कार्टूनों, चित्रों, पैटर्न, कब-प्रतिलिपों और नि-आपामी चीजों के सर्जिव होने का म्रम उत्पादन करने के लिए किलम मुनीमैरान में आर्थिक और एकाधिक शार्ट में सिमप टोग्राफी तकनीक का प्रयोग किया जाता है।

### मुनीमैरान - "मल्टीमीडिया

मुनीमैरान मुनीमैरिंग या आत्मा या जीवन देने की प्रक्रिया है।" हम कह सकते हैं कि मुनीमैरान अलग-अलग इंग्रैफिक्स (चित्र, टाइटल, एलेट पॉइंट) पर लागू दृश्य प्रयोग है।

विभिन्न लेन टोपोलाजी का वर्णन कीजिए।

टोपोलाजी नेटवर्क की आकृति या लेआउट को कहा जाता है। नेटवर्क के विभिन्न नोड किस प्रकार एक दुसरे से जुड़े होते हैं तथा कैसे एक दुसरे के साथ कम्यूनिकेशन स्थापित करते हैं, इस नेटवर्क को टोपोलाजी ही निर्धारित करना है। टोपोलाजी भौतिकल या लौजिकल होता है। Computers को आपस में जोड़ने एवं उसमें डाटा flow की विधि टोपोलाजी कहलाती है। टोपोलाजी किसी नेटवर्क में कम्प्यूर के ज्यामिति व्यवस्था geometric arrangement को कहते हैं।

### टोपोलाजी के प्रकार

टोपोलाजी सामान्यतः निम्नलिखित प्रकार की होती है - नेटवर्क

- 1) Ring Topology - रिंग टोपोलाजी
- 2) Bus Topology - बस टोपोलाजी
- 3) Star Topology - स्टार टोपोलाजी
- 4) Mesh Topology - ग्रैड टोपोलाजी
- 5) Tree Topology - ट्री टोपोलाजी

### i) रिंग Ring Topology टोपोलाजी ~

इस कम्प्यूर में कोई होस्ट, मुख्य या कंट्रोलिंग कम्प्यूर नहीं होता। इसमें सभी कम्प्यूर एक गोलाकार आकृति में लगे होते हैं। प्रत्येक कम्प्यूर अपने पड़ोसी कम्प्यूर से जुड़े होते हैं। किन्तु इसमें कोई भी कम्प्यूर स्वामी

नी होता है इसे सर्कलर Circular भी कहा जाता है।

## Bus-Topology बस टोपोलाजी:-

बस टोपोलाजी में एक ही तार का प्रयोग होता है - और सभी कंप्यूटरों को एक तार से एक ही क्रम में जोड़ा जाता है। तार के प्रारंभ तथा अंत में विराम प्रकार का समान लगाना होता है जिसे टर्मिनेटर कहते हैं। इसका कार्य संकेतों को नियंत्रण करना होता है।

धाम ~

Advantage बस टोपोलाजी को स्थापित करना आसान होता है:-

इसमें Star व Ring टोपोलाजी की तुलना में कम Wiring उपयोगी होता है।

हानि-

1) किसी एक कंप्यूटर की खराबी से सारा डाटा रुकावट में आ सकता है।

2) बाद में किसी कंप्यूटर को जोड़ना अपेक्षाकृत कठिन है।

## Star-Topology टोपोलाजी -

इस नेटवर्क में एक Host Computer होता है जिसे बीच विभिन्न लोकल कंप्यूटरों से जोड़ दिया जाता है। लोकल कंप्यूटर आपस में एक-दूसरे से नहीं जुड़े होते हैं। उनको आपस में होस्ट कंप्यूटर द्वारा जोड़ा जाता है। होस्ट कंप्यूटर द्वारा ही पूरे नेटवर्क को Control किया जाता है।

॥३॥

नाम - Advantages -

1) इस नेटवर्क टोपोलाजी में एक कंप्यूटर को दूसरे कंप्यूटर को जोड़ने में बहुत बिछाने की लागत कम आती है।

2) इसमें लोकल कंप्यूटर की संख्या बढ़ाये जाने पर एक कंप्यूटर की आवश्यकता होती है।

3) इसमें स्टाव व ट्री टोपोलाजी की तुलना में कम केबिल उपयोगी है।

Disadvantages -

1) किसी एक computer की खराबी से सारा data खराब हो जाता है।

2) बाद में किसी computer को जोड़ना मुश्किल काम है।

## Star Topology

इस नेटवर्क में एक computer होता है जिसे बीच विभिन्न लोकल computer's से जोड़ा जाता है। लोकल कंप्यूटर आपस में एक-दूसरे से नहीं जुड़े होते हैं। इनको आपस में दूसरे कंप्यूटर द्वारा जोड़ा जाता है। दूसरे कंप्यूटर द्वारा ही पूरे नेटवर्क को कंट्रोल किया जाता है।

नाम - Advantages -

1) इस नेटवर्क टोपोलाजी में एक computer से Host computer को जोड़ने में line बिछाने की लागत कम आती है।

2) इसमें लोकल computer की संख्या बढ़ाये जाने पर एक

Computer & other computer पर सूचनाओं के आदान-प्रदान की गति प्रभावित नहीं होती है, इसके कार्य करने की गति कम होती है। क्योंकि दो कंप्यूटर के बीच केवल होस्ट Host कंप्यूटर होता है।

यदि कोई local computer खराब होता है तो शेष नेटवर्क प्रभावित नहीं होता है।

### हानि- Disadvantages-

यदि होस्ट कंप्यूटर खराब हो जाये तो पूरा का पूरा नेटवर्क काम हो जाता है। यदि पूरा तंत्र होस्ट कंप्यूटर पर निर्भर होता है।

## मेश MESH टोपोलाजी - Topology

मेश टोपोलाजी को मेश नेटवर्क या मेश भी कहा जाता है। मेश एक नेटवर्क टोपोलाजी है जिसमें सभी नेटवर्क नोड के मध्य कई आतिरिक्त अंतः संबंध से जुड़े होते हैं। अर्थात् मेश टोपोलाजी में प्रत्येक नोड नेटवर्क के अन्य सभी नोड से जुड़े होते हैं।

मेश टोपोलाजी में सारे कंप्यूटर कहीं न कहीं एक दूसरे से जुड़े रहते हैं और एक दूसरे से जुड़े होने के कारण ये अपनी सूचनाओं का आदान-प्रदान आसानी से कर सकते हैं। इसमें कोई होस्ट कंप्यूटर नहीं होता है।

## त्रि- Topology

ही टोपोलाजी में शर तथा वस दोनों टोपोलाजी के लक्षण विद्यमान होते हैं। इसमें Star टोपोलाजी की तरह एक होस्ट कंप्यूटर होता है और वस टोपोलाजी की तरह सारे कंप्यूटर एक ही केवल से जुड़े रहते हैं। यह नेटवर्क एकपेड़

समान दिवार देता है।

### लाभ - Advantages

प्रत्येक स्वण्ड

Segment के लिए प्रवाह तार बिछाया जाता है।

कॉर्ड लॉकेमट तथा साफरवेयर विक्रेता के द्वारा सपोर्ट किया जाता है।

हानि-

### Disadvantages

प्रत्येक स्वण्ड

Segment का कुल लावार प्रयोग में लाभ गण तार के द्वारा सीमित होती

अदि बैकलान लाइन टूट जाती है तो पूरा स्वण्ड Segment रुक जाता है।

3) अल्प टोपोलांजी की अपेक्षा हममें तार बिछाना तथा इसे कर्फीय बना करठिन होता है।

### सरल शब्दों में सांख्यिक

टोपोलांजी नेटवर्क

की आकृति या लेआउट को कहा जाता है। हमें Computers को

साथ में जोड़ने एवं हममें द्वारा Flow की विधि टोपोलांजी कहलाती

4) टोपोलांजी पांच प्रकार की होती है।

Ring

Bus

Star

Tree

Mesh

Topology.

निम्नलिखित को समझाओ -

1) बूटिंग प्रोसेस

2) असेम्बलर

3) कंपाइलर

4) एक्टर प्रिटर

5) माइम

बूटिंग प्रोसेस -

Computer में विंडोज इंस्टाल कराने समय बूटिंग या बूटल राउट होगा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि क्या होती है ये बूटिंग अगर तो नहीं जानते हैं कि कंप्यूटर में बूटिंग क्या होती है -

जब आप कंप्यूटर का पावर बटन या बट्टन मा स्टार्ट बटन प्रेस करते हैं, तो तब से पहले कंप्यूटर में कई सारी प्रक्रियाएं होती हैं। ये बूटिंग ही एक जल्दी प्रक्रिया है -

जब आप Computer Start करते हैं तो और आधे से भी CPU BIOS मिलकर कंप्यूटर को चलाते हैं। जिसमें Computer में पना करता है कि मदरबोर्ड से कौन-से उपकरण जुड़े हैं और ठीक प्रकार से काम कर रहे हैं या नहीं। RAM, डिस्क, हार्ड डिस्क आदि की जांच होती है। यह प्रक्रिया कहलाती है।

जब Computer Post की प्रक्रिया complete कर लेता है तो BIOS द्वारा डिवाइस को सर्च करता है, वह हर हर डिवाइस Potting फाइल को सर्च करता है.

सबसे पहले First Boot Device इसके बाद Third Boot Device इसके बाद Potting file न मिले तो Boot other device BIOS को जिसमें भी पहले Potting file मिल जाती है कि उसी से कंप्यूटर को शुरू करा देता है और Computer में

## TYPE OF BOOTING PROCESS

कंप्यूटर में Potting Process दो प्रकार के होती है।

### Cold Booting

1) Warm Booting

Cold Booting - जब हम CPU के Computer का Power Button या Start Button को प्रेस कर के Computer को Start करते हैं तो इस Process को Cold Booting कहा जाता है।

2) Warm Booting ~

Computer के ठीक ठीक की स्थिति

Key-Board के द्वारा Alt + Ctrl + Del दबाकर या फिर रिस्टार्ट का उपयोग करके कंप्यूटर को दोबारा शुरू कराने की प्रक्रिया काम चलती है।



## असेम्बलर -

Computer को असेम्बल करने में Computer के आंतरिक और बाहरी हिस्सों को जोड़ना शामिल है। आंतरिक घटकों में मदरबोर्ड, रैम, डिस्क ड्राइव, तुल्यकामीकृत और पॉवर सप्लाय शामिल हैं जो कि सिस्टम केस के अंदर स्थापित होते हैं। बाहरी घटक में प्रिंटर, स्कैनर, कीबोर्ड और मॉडेम शामिल होते हैं जो कि सिस्टम केस के बाहर स्थित होते हैं।

Computer को Assemble करने से पहले इन घटकों का चयन करना जरूरी है। आपको पहले इन घटकों का चयन करना चाहिए क्योंकि कुछ लोग बना Computer खरीदते हैं तो कुछ लोग कंप्यूटर खरीदते हैं तो कुछ लोग कंप्यूटर को Assemble करवाते हैं। इसका कारण है अलग-अलग कंपनियों के द्वारा बनाये गये हार्डवेयर कंपोनेंट्स पर विचार लेना। कंप्यूटर को Assemble और डिसेम्बल करने के लिए आपको अलग सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। अगर आपको कंप्यूटर Assemble करना अच्छी तरह से आ गया तो आपको नालेज के साथ-साथ नालेज के तौर पर भी काम शुरू कर सकते हैं। और आप काम शुरू करने के बाद ही कंप्यूटर Assemble की सहायता से कर सकते हैं।

## Computer Assembling Method

आपको एक कंप्यूटर को Assemble करने के लिए नि.लि. चीजों का ध्यान करना होगा -

- 1) सबसे पहले पंचकस की सहायता से Computer Cabinet को खोल कर उसका कवर हटा दें।
- 2) कैबिनेट में SMPS स्थापित करें।
- 3) मदरबोर्ड पर प्रोसेसर इंस्टॉल करें।
- 4) प्रोसेसर पर सीपीयू हीट सिंक फैन स्थापित करें।
- 5) कैबिनेट के अंदर मदरबोर्ड रखें।
- 6) मदरबोर्ड पर रैम इंस्टॉल स्थापित करें।

कैबिनट में हार्ड ड्राइव स्थापित करें।  
 कैबिनट डे में डीवीडी रोम ड्राइव स्थापित करें।  
 उपरोक्त कार्ड स्थापित करें जैसे कि -

- 1) नेटवर्क इंटरफेस कार्ड
- 2) डिस्क कार्ड
- 3) साउंड कार्ड
- 4) ग्राफिक कार्ड

### 3) कंप्यूटर

आगर आपने कंप्यूटर की प्रोग्रामिंग भाषा के बारे में पढ़ा होगा तो आपने कंप्यूटर के बारे में पढ़ चुका होगा, तो आरंभ जानते हैं। Compiler क्या होता है और प्रोग्रामिंग में कंप्यूटर Compiler का महत्व होता है।

### What is Compiler

#### Computer प्रोग्रामिंग

के लिए दो तरह की language भाषाएँ होती हैं। निम्नस्तरीय प्रोग्रामिंग भाषा LOW LEVEL PROGRAMMING LANGUAGE एक विशेष मशीन के लिए सीधे में स्थानी है, उच्च स्तरीय प्रोग्रामिंग भाषा High level - PROGRAMMING LANGUAGE में भाषाएँ मशीन से स्वतंत्र होती हैं और किसी भी प्रकार के Computer पर कार्य कर सकती हैं लेकिन जैसा कि आप जानते हैं Computer केवल मशीनी भाषा को समझता है। और मशीनी भाषा में प्रोग्रामिंग करना संभव नहीं है। इसलिए प्रोग्रामिंग करने में लिए पहले हमें मशीनी भाषा का निर्माण किया गया जो कि एक निम्नस्तरीय प्रोग्रामिंग भाषा है इसे मशीनी भाषा में बदलने के लिए या अनुवाद करने के लिए एक प्रोग्राम बनाया गया जिसे इंटरप्रेटर

कहा जाता है.

इसी प्रकार उच्च स्तरीय प्रोग्रामिंग भाषा जैसे सी, सी++, जावा आदि को भी मशीनी भाषा में करने की अनुवाद तक Compiler उसे समझ सके कम्पाइलर को काम होता है जो किसी उच्च स्तरीय प्रोग्रामिंग भाषा High level programming language में लिखे प्रोग्राम को किसी मशीनी भाषा में बदल देता है।

उच्च स्तरीय Computer भाषाओं जैसे सी++, जावा में प्रोग्राम को सॉर्स कोड कहा जाता है, Compiler इन सॉर्स कोड को Object कोड लाइनरी code में लिखे कम्प्यूटर समझ सकता है या तो कम्पाइलर उच्च स्तरीय प्रोग्रामिंग भाषा को निम्न स्तरीय प्रोग्रामिंग low level programming language में बदलने का करता है।

## 4) इंटरप्रेटर

What is interpreter? प्रोग्रामिंग भाषा को मशीनी भाषा में अनुवाद करने के लिए इंटरप्रेटर की आवश्यकता होती है इंटरप्रेटर मी कम्पाइलर की तरह ही लैंग्वेज ट्रांसलेटर का काम करता है तो आइये जानने इंटरप्रेटर क्या है और ये कैसे काम करता है -

इंटरप्रेटर मी की तरह

उच्च स्तरीय कम्पाइलर उच्च स्तरीय भाषा को मशीनी भाषा में ट्रांसलेट करने का काम करता है उच्च स्तरीय कम्प्यूटर भाषाओं जैसे सी++, जावा में लिखे प्रोग्राम को सॉर्स कोड कहा जाता है इंटरप्रेटर सॉर्स कोड की पहली लाइन का अनुवाद करता है और यदि पहली लाइन में कोई गलती पाता है तो उसे दर्शाता है यानी अरर देता है और जब तक पहला लाइन पूरी तरह से संशोधित नहीं हो जाती है। यानी ठीक नहीं हो जाती है, जब तक आगे नहीं बढ़ता

जब पहली बारन पूरी तरह संशोधित ले जाती है तब दूसरी बारन को आगे बढ़ता है तो इस तरह से इंटरप्रेट इंटरप्रेट बारन बारन किसी प्रोग्राम को मशीनी भाषा में अनुवाद करता है -

यह हर प्रोग्राम को इस तरह से अनुवाद करता है, इस तरह से अनुवाद करने में इंटरप्रेट प्रोग्राम से अधिक समय लेता है यह अपने सोर्स कोड को पूरी तरह मशीनी कोड में नहीं बदलता है इसलिए हर बार अनुवाद करते समय सोर्स कोड की जरूरत होती है -

### 5. माडम

### MODEM - माडुलेटर -

माडुलेटर Modulator-demodulator का संक्षिप्त रूप है। यह एक ऐसी आवृत्ति दिवारम है जो किसी आंशिक डिजिटल सूचना को माडुलेट करके मुनांजिंग Analog प्रारूप में भेजती है और जो मुनांजिंग प्रारूप में इसे सिग्नल मिलता है उसे डि-माडुलेट करके डिजिटल रूप में भेजती है। यदि किसी संवराण के माध्यम और आंशिक मशीन जैसे Computer के बीच संचार स्थापित करने के लिए आवश्यक श्रवण है। 1962 में पहला Commercial modem

AT&T द्वारा Bell 103 के रूप में निर्मित और बेचा गया था। पहले modems लेने से "dial-up" मतलब की उन्हें एक Phone number dial करना होगा है।

SP के साथ connect

लेने के लिए ये Modems operate लेते है।

Standard

Analog Phone lines में और इसमें भी वही समान frequencies

संयोजित होता है Telephone calls के लिए, जो की  
DATA TRANSFER RATE को LIMIT कर देती है।  
MAXIMUM 56 KBPS जो DIAL-UP MODEMS  
LOCAL TELEPHONE LINE की FULL BANDWIDTH  
का उपयोग होती है, इसका म्यान की VOICE CALLS आपका  
संकेत रखने के दौरान को interrupt कर सकती है।

DSL और Cable Modems होने हैं जिन्हें की "Broadband" devices  
कहा जाता है DSL Modems आपके करत है Standard  
Telephone lines के ऊपर लेकिन ये एक Wider Frequency range  
का उपयोग करते हैं ये Allow करते हैं Higher data  
rate के लिए यदि हम इसकी तुलना करे dial-up modems  
और साथ ही ये फोन कॉल Interrupt भी नहीं करती है।

Cable modems clients को Send और  
Receive करत है।

Standard cable television lines  
जो की typically coaxial cables हैं हैं जो उच्चतर  
गति केवल मीडियम सपोर्ट करत है।

DOCSIS - DATA OVER -  
CABLE SERVICE INTERFACE SPECIFICATION जो की यहाँ  
कहा है। यह EFFICIENT तरीका जिसमें की TV, CABLE  
INTERNET और DIGITAL PHONE SIGNALS को आसानी  
से TRANSMIT किया जा सके। वही समय CABLE LINE में

NOTE: - यूनियन को Modem convert करना है Analog Signals को digital में और VICE-

माइक्रो एड्रेस ADC या DAC की जरूरत होती है - वह याद रखें कि कोड कन्वर्टर है जो प्रोसेसर और उसकी परिभाषा को

संयोजित करने से 3 चीजें प्रकार का होता है।

- 1) Form Modules
- 2) Standard Modules
- 3) Class Modules

### FORM MODULES - काम प्रोसेसर

प्रोसेसर को जो निम्नलिखित कामों को HANDLING करना

#### 1) EVENTS

- 2) सामान्य प्रोसेसर
- 3) काम लेवल के रिजल्ट को परिभाषित करना।
- 4) कम्प्लेक्स काम माइक्रो में लिखा गया कोड किसी भी मुक्तिकरण के सम्बन्ध में तय होता है।

### Standard Module.

Application

कार्य में होने लगे प्रोसेसर ही होता है जो दूसरे Module के Accessible किया जाता है।

# Steps For opening Standard Module Project menu

Add Module - Ass

Module

Dialog

Code window, Project Explorer, Property window, Sharing new module

3)

## Class Module - Module -

एक को User के द्वारा बनाये Customized करने में सक्षम है।

Step - 1) Project - Add Class

modules - open

2) Add class module dialog.